सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ी है बाड़ी ग्राम सेवा सहकारी समिति

- शतप्रतिशत ऋण वसूली
- राज्य सरकार का शून्य विनियोजन
- सदस्यों को सभी तरह के ऋण वितरण
- सामाजिक सरोकारों में सक्रिय
- अनेक पुरस्कारों से पुरस्कृत

चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा तहसील की बाड़ी ग्राम सेवा सहकारी समिति पिछले 55 सालों से सहकारिता की पहचान बनी हुई है। समिति पारंपरिक फसली सहकारी ऋण वितरण के काम तक ही सीमित नहीं रहकर कार्यों में निरंतर नवाचार और विस्तार करती रही है जिससे ग्रामीणों का समिति के प्रति विश्वास बढ़ा है। इसका श्रेय समिति के प्रबंधन को जाता है। समिति के कार्यों को राष्ट्रीय स्तर तक पहचान मिली है और राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व जिला स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित होती रही है। समिति प्रबंधन ने समिति के निजी कोषों का बेहतर उपयोग करते हुए सदस्य किसानों को खाद-बीज, दवाईयां, अल्पकालीन ऋण एवं मध्यकालीन ऋण, ट्रेक्टर, फ्रीज, मोटरसाईकिल, आरा मशीन, किराना दुकान, टेन्ट हाउस, ट्यूबवेल, दुधारू पशु, कुम्हारी उद्योग, टोकरी उद्योग, भूमि सुधार, कृषि उपकरण एवं अन्य सभी प्रकार के मध्यकालीन ऋण वितरण कर रही है। खास बात यह है कि समिति के ऋणी सदस्यों द्वारा समय पर भुगतान किया जाता है जिसके फलस्वरूप समिति के सदस्यों की ऋण वसूली प्रतिवर्ष शतप्रतिशत रहती है। यही कारण है कि समिति सदस्यों को ऋण राहत तथा नाबार्ड द्वारा जारी वैद्यनाथन पैकेज या अन्य किसी तरह की सहायता की आवश्यकता नहीं रहती। कहा जाए तो यही सही मायने में सहकारिता है।

बाड़ी ग्राम सेवा सहकारी समिति लि., बाड़ी तहसील निम्बाहेड़ा, जिला-चित्तौड़गढ़ का पंजीयन क्रमांक 277 एच दिनांक 02-09-1959 को हुआ था। यह समिति तब से अब तक निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर होती जा रही है। इसके परिणाम स्वरूप इस समिति के सदस्यों को तथा राज्य सरकार को प्रति वर्ष 9 प्रतिशत की दर से लाभांश वितरण करती आ रही है इस समय समिति में राज्य सरकार का हिस्साराशि विनियोजन नहीं है। समिति में निर्वाचित संचालक मण्डल है। समिति की इस विकास गाथा का श्रेय अध्यक्ष श्री उत्तमचन्द जाट, संचालक मण्डल के सदस्यों एवं व्यवस्थापक श्री सुशील कुमार जैन को जाता है। यह सुखद अहसास इस बात का प्रतीक है कि समिति अपने सदस्यों की हिस्सा राशि और सहयोग पर अपनी प्रगति की इबारत लिख रही है।

समिति का कार्यक्षेत्र मात्र एक ग्राम पंचायत बाड़ी ही है फिर भी समिति ने अपने निजी कोष से समिति की 20 गुणा 50 फीट की चार दीवारी के अन्दर दो गोदाम, चार दुकाने, एक मिनी बैंक कार्यालय, समिति का मुख्य कार्यालय तथा व्यवस्थापक का आवास बना रखा है। समिति पर किसी प्रकार का राज्य सरकार का ऋण नहीं है। इसके अलावा समिति से जुड़े पांच स्वयं सहायता समूह हैं जो अपनी बचत बराबर मिनी बैंक में जमा करा रहे हैं, उन्हें भी भविष्य में ऋण देने की योजना है।

वर्ष 2013-14 में समिति के सदस्यों को ऋण रू. 350.00 लाख वितरण किया गया है जो ब्याज राहत के तहत सभी सदस्यों ने अपना ऋण 31 जनवरी, 2014 पूर्व ही जमा करा दिया है जिससे सभी सदस्यों को ब्याज की राहत पूर्ण रूप से मिल गई है।

NATIONAL FEDERATION OF STATE COOPERATIVE BANKS LTD.
(NAFSCOB)
NAVI MUMBAI

SUBHASH YADAV AWARD

FOR
BEST PERFORMING
PRIMARY AGRICULTURAL CREDIT SOCIETY
2006 - 2007

कुशल वित्तीय प्रबंधन

समिति ने कृषको में रू. 10.00 लाख एवं इकको में रू. 10.00 लाख हिस्सा राशि के रूप में विनियोजन कर रखा हैं जिस पर समिति को प्रति वर्ष रू. 5.50 लाख लाभांश के रूप में आय होती हैं। समिति के सन्तुलन चित्र में किसी भी संचालक सदस्य अथवा कर्मचारी के नाम कोई लेनदारी नहीं हैं तथा न ही संस्था में सहकारी अधिनियम की धारा 57 के अन्तर्गत कोई प्रकरण पंजीकृत हैं।

इन गतिविधियों के अलावा समिति मिनी बैंक का कार्य भी करती हैं। समिति में मिनी बैंक का चयन वर्ष 1987 में हुआ था। मिनी बैंक गठन के बाद से सदस्यों की अमानतें निरन्तर बढ़ती जा रही हैं तथा वर्तमान में सदस्यों के 1183 खातों में रू. 11 करोड़ 13 लाख की अमानत जमा हैं। इसके अलावा बाढ़ी में वाणिज्यिक बैंक शाखा होते हुए भी समिति के मिनी बैंक की डिपोजिट भी बढ़ते हुए वर्तमान में 11करोड़ 13 लाख हो गई हैं।

पुरस्कार

समिति को वर्ष 2003-04 तथा वर्ष 2006-07 में भारत सरकार द्धारा नई दिल्ली में '' सुभाष यादव अवार्ड '' में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा राज्य स्तर पर वर्ष 1993-94 में

NATIONAL FEDERATION OF STATE COOPERATIVE BANKS LTD.
NAVI MUMBAI

SUBHASH YADAV AWARD
FOR
BEST PERFORMING PRIMARY AGRICULTURAL CREDIT SOCIETY
2003-2004

This is to certify that HARI GRAM SEVA SAHAKARI SAMITI LTD., CHITTORGARH DISTRICT, RAJASTHAN has been awarded the Second Prize for the year 2003-2004 in recognition of its concern for Democratic Principles, Self Reliance, Viability, Active Member participation, Community Development etc. under the Scheme of Subhash Yadav Award for Best Performing Primary Agricultural Credit Society instituted at the All India level by National Federation of State Cooperative Banks (NAFSCOB).

राज्यपाल महोदय द्वारा तथा 10 मार्च, 2008 को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिये प्रमुख शासन सचिव एवं सहकारिता मंत्री महोदय द्वारा सम्मानित किया जा चुका हैं तथा जिला स्तर पर प्रति वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त कर रही हैं। इसके अलावा समिति द्वारा निम्न सामाजिक कार्य भी किये जाते हैं।

सामाजिक सरोकार

सामाजिक सरोकारों से जुड़ते हुए समिति ने सदस्यों के बीच अपनी पैठ बनाई है। यही कारण है कि सदस्य आगे बढ़कर समिति की गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। समिति द्वारा अपने सदस्यों के गरीब परिवार के बच्चों को राजकीय पर्व पर नि:शुल्क स्कूल ड्रेस वितरण, सदस्यों के परिवार के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिये प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले बच्चों को नकद पुरस्कार, कार्यक्षेत्र की महिला एवं पुरूष नसबन्दी कराने पर समिति द्वारा एक हजार रु. का नकद पुरूस्कार, चिकित्सा शिविर लगाकर अपने सदस्यों को नि:शुल्क दवाईयां दी जाती है। समिति द्धारा ऋण वितरण एवं वसूली मुख्यावास पर ही की जाती हैं जिसे सदस्यों का आने-जाने का व्यय एवं समय की बचत होती हैं। समिति द्धारा बागवानी व वृक्षारोपण भी कराया जाता हैं।

जिला प्रभारी संयुक्त रजिस्ट्रार श्री संजय माथुर ने बताया कि समिति प्रबंधन ने अपने काम के आधार पर विशिष्ठ पहचान बनाई है। समिति पूरी तरह से आत्म निर्भर है। उपरजिस्ट्रार श्री नाना लाल चावला इसे चित्तोड़गढ़ के लिए गौरव बताया।

बोलती तस्वीर

मद	59-60	70-71	80-81	90-91	2000-01	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
सदस्यता	51	307	467	520	516	497	575	581	596
हिस्सा राशि	.01	.10	.10	1.15	2.35	7.2	7.98	8.79	10.07
ऋण वितरण	.11	.63	7.52	7.68	22.11	137.00	147.00	235.00	281.00
ऋण वसूली	.11	.62	7.48	7.64	21.92	137.00	147.00	234.90	281.00
अमानतें मिनीबैंक	–	–	–	8.50	110.00	530.00	630.00	719.00	972.00
लाभांश	–	0.03	.10	.15	1.00	19.20	13.32	18.70	26.38
आडिट वर्गी.	B	B	B	B	A	A	A	A	A